Publication: Dainik Jagran
Date: February 13, 2018

प्लांट में एक लाख लीटर दूध प्रोसेसिंग की क्षमता

20 हजार पैकेट की प्रतिदिन होगी पैकिंग, 11 करोड़ की लागत से तैयार होगा प्लांट

11 करोड़ की लागत से बनने वाला यह प्लांट बिहार में पहला होगा, साढ़े चार एकड़ भूमि ली गई

कोटवा में प्रेसवार्ता करते मदर डेयरी के पदाधिकारी ● जागरण

कोटवा, संसह : राष्ट्रीय स्तर की डेयरी उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी मदर डेयरी के दुग्ध प्रसंस्करण प्लांट का मंगलवार को केंद्रीय कृषि सह किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह आधारशीला रखेंगे। 11 करोड़ की लागत से बनने वाला यह प्लांट बिहार में पहला होगा। सोमवार को कोटवा प्रखंड के मठबनवारी स्थित प्रस्तावित शिलान्यास स्थल पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजीव खन्ना ने कही। कहा कि प्लांट के लिए साढ़े चार एकड़ भूमि स्थानीय स्तर पर ली गई है।

भूमि की उपलब्धता स्थानीय किसानों के साथ-साथ सरकारी पदाधिकारियों एव राजनीतिज्ञों का अपेक्षित सहयोग मिला है। कंपनी 1 लाख लीटर लीटर दूध का प्रतिदिन प्रसंस्करण शुरुआत में करेगी और आगामी दिनों में इसका विस्तार कर दूध ख़रीद डेढ़ लाख लीटर प्रति दिन करने का लक्ष्य है। एमडी ने बताया कि मदर डेयरी अभी अपने सहयोगी कंपनी बापूधाम दुग्ध उत्पादन कंपनी से जुड़े 250 गांवों के 10 हजार दुग्ध उत्पादकों के 32 हजार लीटर प्रतिदिन संग्रह कर रही है। इसके अतिरिक्त कंपनी 30 हजार और दुग्ध उत्पादकों को शामिल कर दुग्ध उत्पादन संचालन प्रक्रिया के विस्तार की योजना बना रही है। फ़िलहाल कंपनी पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के किसानों के साथ कार्य कर रही है। कंपनी किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार के उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में प्रयत्नशील है। ऑपरेशन फ्लड के तहत दिसंबर 1974 में मदर डेयरी की शुरुआत हुई, जिससे श्वेत क्रांति के एक दौर की शुरूआत की जा सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कंपनी विश्वास का पर्याय बन गई है। दूध का प्रत्येक बूंद 4 स्तरों पर 23 प्रकार की गुणवत्ता जांच से होकर गुजरती है। कंपनी उपभोक्ताओं के पोषण को ध्यान में रखती है।

दूध उत्पादों के अतिरिक्त ताजा फलों, फ्रोजन सब्जियों, अनपॉलिस दाल तथा शहद आदि भी उपलब्ध कराती है। कंपनी इस यूनिट के लग जाने से बिहार में स्थापित सुधा जैसी कंपनी को प्रतिस्पर्धा मिलने की उम्मीद है। कंपनी मोतिहारी में ही क्यों का जवाब देते हुए कहा कि सर्वे के अंतर्गत देखा गया कि दूध का उत्पादन राजधानी के आस पास के जगहों पर अधिक होती है और कृषि मंत्री के क्षेत्र के विकास में भी मदद मिलेगी। वहीं श्वेत क्रांति के द्वारा इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा रोजगार के अवसर खुलेंगे। मैनेजिंग डायरेक्टर के अलावा कंपनी के होल टाइम डायरेक्टर सौगता मित्रा, विधायक सचिंद्र सिंह, विधान पार्षद बबलू गुप्ता के अलावा कंपनी के कर्मी मौजूद थे।